www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 41 | जौनपुर, शनिवार, 26 सितम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

16 वर्षीय किशोरी के यौन उत्पीड़न मामले में 19 साल का युवक गिरफ्तार

चेन्नई , (एजेंसी)। चेन्नई के बाहरी इलाके में 16 वर्षीय लड़की का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के मामले में 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। तांबरम (शहर) पुलिस ने लड़की की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के हवाले से बताया कि आरोपी जे. मुत्तुसामी ने इंस्टाग्राम के जरिए किशोरी से दोस्ती की थी। पुलिस ने बताया कि दोनों लगभग एक महीने से फोन के जरिए संपर्क में थे। लड़की की मां ने 25 सितंबर को वंडालूर महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि उनकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया गया है। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार रात आरोपी कथित तौर पर लड़की को ओल्ड नल्लूर के पास एक कृषि क्षेत्र में ले गया और उसका यौन उत्पीड़न किया। तांबरम पुलिस ने कहा, शिकायत के आधार पर वंडालूर महिला थाने में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। शिकायत मिलने के एक घंटे के भीतर आरोपी मुत्तुसामी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को रिमांड पर भेज दिया गया है।'' पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह मामला तांबरम (शहर) पुलिस सीमा के अंतर्गत कांडिगाई गांव में एक बच्चे के यौन उत्पीड़न के मामले से जुड़ा नहीं है। कांडिगाई गांव के एक सरकारी स्कूल में बच्चों के यौन उत्पीड़न के आरोप के संबंध में पुलिस ने शुक्रवार को कहा था, ''ऐसा कोई साक्ष्य सामने नहीं आया है ।

गुरु अमरदास जी के ज्योति–ज्योत दिवस पर ओम बिरला समेत कई नेताओं ने किया नमन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सिखों के तृतीय गुरु श्री गुरु अमरदास के ज्योति–ज्योत दिवस पर लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, गृहमंत्री अमित शाह सहित कई मुख्यमंत्रियों ने नमन किया है। इसके साथ नेताओं ने कहा कि मानवता के लिए समर्पित गुरु अमरदास का सम्पूर्ण जीवन आज भी राह दिखाता है। लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने एक्स पर लिखा, "सिखों के तृतीय गुरु श्री गुरु अमरदास जी के ज्योति–ज्योत दिवस पर कोटि–कोटि नमन। गुरु अमरदास जी का जीवन सेवा, समानता, करुणा, मानव गरिमा और सामाजिक सुधार के महान मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने अपने आध्यात्मिक चिंतन और कर्मशील जीवन के माध्यम से ऐसे समाज की कल्पना को आगे बढ़ाया, जिसमें जाति, ऊंच–नीच और सामाजिक भेदभाव के लिए कोई स्थान न हो। गुरु साहिब ने समाज में व्याप्त कुरीतियों और रूढ़ियों के विरुद्ध आवाज उठाई तथा लोगों को सत्य, सेवा और समानता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। मानवता के लिए समर्पित उनका सम्पूर्ण जीवन आज भी राह दिखाता है।" गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में कहा, "स्नेह, समानता और विनम्रता को भक्ति का सच्चा मार्ग बताने वाले सिख धर्म के तृतीय गुरु श्री गुरु अमरदास जी के ज्योति ज्योत दिवस पर कोटि–कोटि नमन।

पीएम मोदी ने गिनाई 'मेक इन इंडिया' की उपलब्धियां, बोले- आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा भारत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अपनी सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि बुनियादी ढांचे, उद्यम और नवाचार के विकास से देश की आर्थिक प्रगति को गति मिलती है। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया से देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा है। 25 सितंबर 2014 को शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य भारत को विनिर्माण, डिजाइन और नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाना था। पीएम मोदी ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि भारत में अधिक उत्पादन, अधिक निवेश और अधिक निर्यात इस बदलाव को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री ने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस, ट्रेन इंजन और कोच निर्माण, जहाज निर्माण, मेट्रो नेटवर्क, ऑटोमोबाइल, दवाइयों, सौर ऊर्जा और मोबाइल फोन निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों की उपलब्धियां दिखाई गईं। सरकार के अनुसार, 'मेक इन इंडिया' का उद्देश्य निवेश को बढ़ावा देना, नवाचार को प्रोत्साहित करना और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा विकसित करना है। वोट बैंक की राजनीति के बजाय समाज में सकारात्मक बदलाव पर ध्यान दें ' मोदी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भाजपा के कार्यकर्ताओं से वोट बैंक की राजनीति के बजाय सामाजिक सुधार और समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक कार्यकर्ताओं को समाज की बुराइयों के खिलाफ लगातार प्रयास करते रहना चाहिए। पीएम मोदी ने वाराणसी से वडनगर जा रही 'सेवा यात्रा' में शामिल प्रतिभागियों से वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से बातचीत करते हुए महात्मा गांधी का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व करने के साथ सामाजिक सुधार के लिए भी काम किया और समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई।

महाराष्ट्र के 265 तालुके सूखाग्रस्त घोषित, सीएम फडणवीस ने राहत उपायों का किया ऐलान

महाराष्ट, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सूखे से प्रभावित किसानों और नागरिकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। राज्य के 358 तालुकों (तहसील) में से 265 में सूखा घोषित किया गया है। जिन 265 तालुकों में 'ट्रिगर–1' के मानक पूरे हुए हैं, उन्हें सूखा–प्रभावित घोषित किया गया है। इससे पता चलता है कि राज्य के लगभग 75 प्रतिशत तालुकों में अब सूखे जैसे हालात हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सूखे से निपटने के कई उपायों की घोषणा की है। इसके तहत लैंड रेवेन्यू में छूट, फसल लोन का रीस्ट्रक्चर, खेती से जुड़े लोन की रिकवरी पर रोक, खेती के पंपों के मौजूदा बिजली बिल में छूट (7.5 हॉर्स पावर कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों का बिजली बिल पहले ही माफ है, अब उससे ज्यादा कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों को भी छूट), स्कूल–कॉलेज के छात्रों की परीक्षा शुल्क में छूट, एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम के तहत नियमों में ढील देकर अधिक से अधिक काम शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा, जहां जरूरी होगा वहां पीने के टैंकर पहुंचाए जाएंगे। किसानों के खेती के पंपों का बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा, खेती पर निर्भर किसानों–खेती मजदूरों को अनाज मिलेगा, जानवरों के लिए चारे का इंतजाम, बड़े पैमाने पर पानी बचाने का काम किया जाएगा। पिछले आदेश के मुताबिक, पेयजल और जानवरों के लिए पानी की प्लानिंग जारी रहेगी। सभी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को पंचनामा प्रक्रिया तुरंत पूरा करने के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही फसलों की हालत दिखाने वाली तस्वीरें और जीपीएस से डेटा इकट्ठा करने के आदेश जारी किए गए हैं। इसके पहले 24 सितंबर वाशिम दौरे पर पहुंचे देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की थी।

आदित्य ठाकरे ने एमपीएससी परीक्षा स्थगित करने की मांग की

मुंबई। शिवसेना के विधायक और विधानसभा नेता आदित्य ठाकरे ने शनिवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) परीक्षा और उम्मीदवारों की शिकायतों से संबंधित मौजूदा मुद्दों में तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। छात्र समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हुए वर्ली के विधायक ने राज्यपाल के समक्ष औपचारिक रूप से दो प्रमुख मांगें रखींरू वी राधा समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने और लागू होने तक आगामी एमपीएससी परीक्षा स्थगित करना, और परीक्षा स्थगित होने के कारण शैक्षणिक या करियर संबंधी नुकसान झेल रहे उम्मीदवारों को आयु में छूट या रियायत देना। म्ततवत सवंकपदह के. अपने पोस्ट में ठाकरे ने कहा कि एमपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों की मांगें एक बार फिर पत्र के माध्यम से राज्यपाल के समक्ष रखी गई हैं। बार–बार हो रहे पेपर लीक और इसके परिणामस्वरूप छात्रों को हो रही परेशानियों का समाधान खोजना आवश्यक है। वर्तमान स्थिति में, सरकार केवल छात्रों को झूठे आश्वासन दे रही है।अखबार हजारों उम्मीदवारों की चिंता को उजागर करते हुए ठाकरे ने इस बात पर जोर दिया कि आयोग के कामकाज और नेतृत्व को लेकर अविश्वास और अनिश्चितता का माहौल है।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की जयंती पर पीएम मोदी, रक्षा मंत्री समेत कई नेताओं ने किया नमन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत अन्य नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती पर याद करते हुए श्रद्धांजलि दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, "पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में कई साल बिताए और पूरी निष्ठा के साथ देश की सेवा की।" रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। सार्वजनिक जीवन और भारत की प्रगति में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।" केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर पोस्ट किया, "भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं विख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती पर सादर नमन करता हूं!" असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पोस्ट में कहा, "आज पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं। देश के लिए उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।" केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने एक्स पर लिखा, "भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं महान अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह की जयंती पर उन्हें कोटि–कोटि नमन।" भाजपा नेता और उद्योगपति नवीन जिंदल ने एक्स पर लिखा, "डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी जयंती पर याद करते हुए। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी और दुनिया में देश को एक नई पहचान दिलाई। प्रधानमंत्री के तौर पर उनके कार्यकाल के दौरान संसद में सेवा करना और जिस शालीनता और गरिमा के साथ उन्होंने इस सर्वोच्च पद को संभाला, उससे सीखना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। उनकी विनम्रता और ईमानदारी भारतीय सार्वजनिक जीवन में एक मिसाल बनी हुई है।" डॉ. मनमोहन सिंह का नाम भारतीय इतिहास में एक ऐसे अर्थशास्त्री के तौर पर हमेशा याद किया जाएगा जिन्होंने देश की आर्थिक प्रगति की मजबूत नींव रखी। 1991 में वित्त मंत्री के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा शुरू किए गए आर्थिक सुधारों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में अहम बदलावों का रास्ता तैयार किया।

पीपीपी के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार करीब 20 ट्रिलियन डॉलर - पीयूष गोयल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा है कि क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार करीब 20 ट्रिलियन डॉलर है और इस आधार पर भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में 13वें 'पीएएफआई एनुअल फोरम 2026' में बोलते हुए गोयल ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर व्यापार और आर्थिक साझेदारी के लिए एक ऐसी अर्थव्यवस्था के रूप में बातचीत कर रहा है, जिसके 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पीपीपी और बाजार विनिमय दरों के आधार पर अर्थव्यवस्था के आकार में अंतर है और भारत के आगे बढ़ने के साथ यह अंतर कम होगा। गोयल ने कहा कि व्यापार वार्ताओं को लेकर भारत का दृष्टिकोण देश की बदलती आर्थिक स्थिति और वैश्विक बाजारों के साथ जुड़ाव मजबूत करने के लक्ष्य को दर्शाता है। उन्होंने वस्तुओं और सेवाओं के साथ पर्यटकों, छात्रों और अन्य लोगों के सुगम आवागमन के लिए व्यापक आर्थिक साझेदारी की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि भारत की चल रही व्यापार वार्ताओं में कनाडा, चिली, पेरू, सदर्न अफ्रीकन कस्टम्स यूनियन (एसएसीयू), मेक्सिको, मालदीव, यूरेशिया, मध्य एशिया, रूस, गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) और इजराइल के साथ बातचीत शामिल है। इन प्रयासों का उद्देश्य वैश्विक वैल्यू चेन और सप्लाई चेन में भारत की भागीदारी के अवसर बढ़ाना तथा वस्तुओं और सेवाओं के आवागमन को आसान बनाना है। गोयल ने कहा कि अगले पांच वर्षों में भारत में सेमीकंडक्टर की सालाना मांग 150 अरब डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है।

6 घंटे बाद मौसम सामान्य होने की संभावना, अतिवृष्टि पर सीएम योगी बोले– इस हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पिछले 48 घंटों से जारी भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए योगी सरकार ने राहत एवं बचाव व्यवस्था को पूरी तरह सक्रिय रखा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में प्रशासन प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर रहा है। राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने शनिवार को प्रभावित जनपदों के जिलाधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर परिस्थिति में आमजन की जान–माल की सुरक्षा जिलाधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। राहत आयुक्त ने नेपाल में हो रही भारी बारिश के मद्देनजर सीमावर्ती जिलों, विशेषकर पूर्वी उत्तर प्रदेश में नदियों के जलस्तर बढ़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा। संबंधित जिलाधिकारियों को नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखने और बाढ़ राहत एवं बचाव दलों को अलर्ट मोड पर रखने के लिए कहा गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी 36 घंटों के बाद प्रदेश में मौसम सामान्य होने की संभावना है। राहत आयुक्त ने आमजन से अपील की है कि अत्यंत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। उन्होंने लोगों से प्रशासन और मौसम विभाग की ओर से जारी दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की। किसी भी आपदा की स्थिति में तत्काल सहायता के लिए राहत हेल्पलाइन 1070 पर संपर्क किया जा सकता है। राहत आयुक्त ने बताया कि प्रदेश के 63 जनपदों में सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई है।

पेंशनर्स का 29 सितम्बर को पूरे देश भर मे केंद्र सरकार के बिरोध मे धरना–प्रदर्शन की तैयारी शुरू

ब्यूरो चीफ विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केन्द्र सरकार के गठित आठवे बेतन आयोग के संकल्प पत्र मे एक जनवरी2026के पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारी,अधिकारी,शिक्षक सहित सभी पेंशनर्स को टर्म्स रिफरेन्स मे सम्मिलित नही किए जाने से केन्द्र सरकार से पारित वित्त बिधेयक 2025 से पेंशनर्स मे बिभेद कर पेन्शनर्स को पेंशन पुनरीक्षण एवं महगाई राहत नही दिये जाने की मन्शा के छीपे ऐजेंडा का बिरोध पूरे देश भर के सभी जनपद मे धरना–प्रदर्शन कर बिरोध करेगे। धरना–प्रदर्शन कार्यक्रम अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स फेडरेशन के आह्वान पर देश के सभी प्रदेशो मे होगा।उत्तर प्रदेश के सभी पचहत्तर जिलो के साथ ही जनपद मे धरना–प्रदर्शन सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के आह्वान पर होगा।जनपद अध्यक्ष सी बी सिंह एवं जिला मन्त्री कृपाशंकर उपाध्याय ने संयुक्त रूप से पेंशनर्स जनणजागरण कार्यक्रम पेंशनर्स साथी इ0प्रमोद कुमार सिंह राजेश कुमार श्रीवास्तव, मिठाई लाल, पलकधारी मौर्य, कृष्ण कुमार त्रिपाठी.,चन्द्रशेखर सिंह, शेषनाथ सिंह, नन्दलाल सरोज, मिथिलेश जायसवाल, दिनेश कुमार गुप्ता,अजय कुमार सिंह, कंचन सिंह, चिलम्मा, शारदा प्रसाद श्रीवास्तव,रमाशंकर निषाद, मोरालीसिह,कान्तिदेवी, महालक्ष्मी बर्मा रीतादेवी आदि साथ साथ सम्पर्क कार्यक्रम मे सम्मिलित रहे। पेंशनर्स मे सरकार की पेंशनर्स बिरोधी नितियो से भारी आक्रोश है। जनपद मे धरना–प्रदर्शन कलेक्ट्रेट परिसर स्थित धरना–प्रदर्शन स्थल पर पुर्वान्ह साढे दस वजे से अपरान्ह चार बजे तक होगा । पेंशनर्स के टर्म्स रिफरेन्स को बेतन आयोग के संकल्प पत्र मे सम्मिलित करने सहित बारह सूत्रीय मांगो से सम्बन्धित ज्ञापन अपरान्ह एक वजे जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से मा0प्रधान मन्त्री भारत सरकार नयी दिल्ली,एवं मा0 मुख्य मन्त्री उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ को भेजा जाएगा।जनपद के समस्त पेंशनर्स से अधिक से अधिक संख्या मे भाग लेकर कार्य क्रम को सफल वनाने की अपील की गई है।

लगातार बारिश से मंगल पाडेय वार्ड में इमली का पेड़ गिरा

नहरबाग में सड़क पर गिरा पुराना इमली का पेड़, स्थानीय लोगों की तत्परता से टला बड़ा हादसा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश के कारण नगर निगम के मंगल पांडेय वार्ड स्थित नहरबाग क्षेत्र में एक पुराने इमली के पेड़ का आधा हिस्सा अचानक सड़क पर गिर गया। पेड़ के सड़क पर गिरने से कुछ देर के लिए आवागमन बाधित रहा। गनीमत रही कि जिस समय पेड़ गिरा, उस समय आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पेड़ के गिरे हिस्से को खींचकर सड़क किनारे कर दिया, जिसके बाद आवागमन सामान्य हो सका। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पेड़ गिरने के समय कोई राहगीर या वाहन वहां से गुजर रहा होता तो दुर्घटना हो सकती थी।लगातार बारिश के बीच पेड़ का हिस्सा अचानक सड़क पर गिरने से राहगीरों में अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पेड़ को सड़क से हटाकर किनारे किया। इस संबंध में मंगल पांडेय वार्ड के पार्षद राजेश गौड़ ने बताया कि पेड़ गिरने की सूचना मिली है। इसकी जानकारी वन विभाग की टीम को दे दी गई है। उन्होंने बताया कि संबंधित टीम को मामले से अवगत करा दिया गया है।

संपादकीय

अवैध और असुरक्षित निर्माण

कुछ सवाल हैं, जो हर हादसे बाद उठते हैं। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी अवैध और असुरक्षित निर्माण तथा सुरक्षा नियमों की अनदेखी के साथ चल रहे आवासीय कारोबार का अड्डा बन गई है। कहानी एक जैसी होती है, सिर्फ घटना का स्थल और उसके शिकार पात्र बदल जाते हैं। हाल में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इमारत गिरने और आग लगने की घटनाओं पर गौर करें, तो उपरोक्त वाक्य सहज ही जुबान पर आ जाता है। इस सिलसिले की ताजा घटना दिल्ली के सत्य निकेतन में हुई, जहां वो इमारत ढही, जिसमें अनेक छात्र पेइंग गेस्ट के रूप में रहते थे। फिलहाल वहां हुई मौतों और दर्दनाक नजारे से लोग आहत हैं। लेकिन ऐसा ही जुलाई 2024 में हुआ था, जब एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में बरसात का पानी जा घुसा, जिससे तीन छात्रों की मौत हुई थी। इस वर्ष मई में साकेत इलाके में बिल्डिंग गिरी, तो जून में हौजरानी में बीएंडबी होटल में आग लगने से 23 लोगों की जान गई। ऐसी सारी घटनाओं में कुछ बातें समान रहती हैं। मसलन, इमारत का अनियमित इस्तेमाल, अवैध निर्माण, सुरक्षा नियमों की अनदेखी, आदि। आम शिकायत है कि ऐसा अधिकारियों एवं जन प्रतिनिधियों के साथ ठेकेदारों और संपत्ति मालिकों की मिलीभगत से होता है। मसलन, सत्य निकेतन की घटना में सवाल उठे हैं कि क्या वह इमारत उतनी संख्या में छात्रों के रहने के लिहाज से निर्मित थी? क्या कॉमर्शियल लॉजिंग के लिए जरूरी इजाजत एवं सुरक्षा मंजूरी ली गई थी? जब लोग रह रहे थे, उसी समय बिल्डिंग के बेसमेंट में निर्माण कार्य कैसे चल रहा था? इसकी किसने अनुमति दी? क्या उस कार्य की निगरानी कोई सरकारी विभाग कर रहा था? ये वो सवाल हैं, जो हर हादसे बाद उठते हैं। मतलब साफ है। पूरी राष्ट्रीय राजधानी अवैध और असुरक्षित निर्माण तथा सुरक्षा नियमों की अनदेखी के साथ चल रहे आवासीय कारोबार का अड्डा बन गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक यहां 2024 में 113 और 2025 में 70 लोगों की जान आग और इमारत ढहने से जुड़े हादसों में गई। हर हादसे के बाद जांच और कार्रवाई की घोषणाएं होती हैं, लेकिन कभी यह जरूरत नहीं महसूस की जाती कि पूरी दिल्ली में आवासीय सर्वेक्षण करवाया जाए और अवैध रिहाइश को रोका जाए। जब तक ऐसा नहीं होता, सब यूं ही चलता रहेगा!

योगदान से सामाजिक सरोकार

डॉ. ओम डहरिया

किसी गरीब मां के लिए वह क्षण कितना बड़ा होता होगा, जब उसके घर के चूल्हे पर धुएं के बजाय गैस की नीली लौ जलती है। किसी पिता के लिए वह कितनी बड़ी राहत होगी, जब उसे यह चिंता न हो कि आज बच्चों के लिए भोजन कहां से आएगा। बस्तर के किसी दूरस्थ गांव में रहने वाले जनजातीय परिवार के लिए वह कितनी बड़ी खुशी होगी, जब कठिन रास्तों को पार कर राशन उसके गांव तक पहुंचता है। वास्तव में सेवा का अर्थ इन्हीं छोटे–छोटे लेकिन अनमोल क्षणों में दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने का अवसर हमें इसी व्यापक अर्थ में सेवा को देखने का अवसर देता है। यह यात्रा केवल पद और दायित्व की यात्रा नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के संकल्प की यात्रा भी रही है। श्सेवा संकल्प अभियानय के माध्यम से हम प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ–साथ यह संकल्प भी लें कि विकसित भारत के निर्माण में हमारा अपना योगदान क्या होगा। सेवा का भाव किसी एक व्यक्ति या संस्था तक सीमित नहीं होता। जब कोई व्यक्ति रक्तदान करता है, किसी जरूरतमंद की मदद करता है, स्वच्छता के लिए श्रमदान करता है, नदी या घाट की सफाई में अपना समय देता है अथवा अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करता है, तब राष्ट्र निर्माण की एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण ईंट रखी जाती है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता को इसी जनभागीदारी से जोड़ा। स्वच्छ भारत अभियान ने यह संदेश घर–घर तक पहुंचाया कि स्वच्छता केवल सफाई कर्मी या सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। इसी तरह गंगा और देश की अन्य नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसे प्रयासों ने नदी, घाट और पर्यावरण को लेकर समाज की भागीदारी को व्यापक बनाया। सेवा का यह स्वरूप हमें बताता है कि राष्ट्र के प्रति प्रेम केवल शब्दों में नहीं, बल्कि हमारे कर्मों में दिखाई देना चाहिए। गरीब कल्याण के क्षेत्र में भी सेवा का सबसे संवेदनशील रूप दिखाई देता है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने करोड़ों गरीब परिवारों की महिलाओं को धुएं से राहत देते हुए स्वच्छ ईंधन की सुविधा से जोड़ा। एक रसोई में जलती गैस की लौ को केवल एक सरकारी योजना का परिणाम मानना पर्याप्त नहीं होगा। उसके पीछे एक महिला का बदला हुआ जीवन, उसके समय की बचत और सम्मान के साथ भोजन बनाने का अवसर भी जुड़ा है।

खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली ने यह सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों की थाली तक खाद्यान्न पहुंचे। इस भावना को बहुत करीब से महसूस करने की बात है कि शासन की किसी भी योजना की सफलता का सबसे बड़ा पैमाना यह है कि उसका लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक कितनी सहजता से पहुंचा।

छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली केवल राशन वितरण की व्यवस्था नहीं, बल्कि लाखों परिवारों के जीवन में खाद्य सुरक्षा का आधार है। उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से चावल और आवश्यक खाद्यान्न जब किसी जरूरतमंद परिवार के घर तक पहुंचता है, तब शासन की संवेदनशीलता धरातल पर दिखाई देती है। सरकार की कोशिश भी यही है कि पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे और व्यवस्था में पारदर्शिता तथा जवाबदेही बनी रहे। बस्तर का संदर्भ इस सेवा भावना को और गहरा करता है। दूरस्थ एवं जनजातीय अंचलों में भौगोलिक परिस्थितियां अनेक बार सुविधाओं की राह कठिन बनाती हैं। ऐसे क्षेत्रों में नियद नेल्लानार जैसी पहल के माध्यम से शासन की सुविधाओं को उन गांवों और परिवारों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जो लंबे समय तक मुख्यधारा की सुविधाओं से दूर रहे। जब ऐसे किसी गांव के परिवार को उसके नजदीक राशन की सुविधा मिलती है, तो वह केवल खाद्यान्न का वितरण नहीं होता – वह शासन और नागरिक के बीच विश्वास का सेतु बनता है। प्रदेश में पीडीएस प्रणाली की सबसे मानवीय पक्ष यही है कि प्रदेश में कोई पात्र परिवार भूखा न रहे। राशन की दुकान पर पहुंचने वाला प्रत्येक परिवार केवल एक राशनकार्ड संख्या नहीं है। वह एक परिवार है, जिसकी अपनी आवश्यकताएं, उम्मीदें और भविष्य हैं। किसी मां के चेहरे की चिंता कम होना और बच्चों की थाली में भोजन पहुंचना ही सरकार की काम की वास्तविक सार्थकता है। श्सेवा मेरा योगदानय की भावना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि विकसित भारत का निर्माण केवल सरकार नहीं कर सकती। सरकार योजनाएं बना सकती है, संसाधन उपलब्ध करा सकती है और व्यवस्थाएं खड़ी कर सकती हैय लेकिन उन्हें जनआंदोलन बनाने की शक्ति समाज की सहभागिता से आती है। रक्तदान करने वाला व्यक्ति, स्वच्छता के लिए आगे आने वाला युवा, नदी–घाट की सफाई करने वाला नागरिक, किसी जरूरतमंद को सरकारी योजना की जानकारी देने वाला व्यक्ति–हर कोई विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकता है।

अंत्योदय- विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

ललित

भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026–27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है। 'अंत्योदय' दो शब्दों से बना है–'अंत्य' अर्थात सबसे अंतिम और 'उदय' अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है–ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे।

दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा–सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव–केंद्रित विकास–दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है। भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति–निर्माण में 'समावेशी मानव विकास' को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ 'सहायता से सशक्तिकरण' होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय–क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल, डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यही अंत्योदय का आधुनिक स्वरूप हो सकता है–व्यक्ति को लाभार्थी से भागीदार बनाना। 2014 में शुरू हुई दीनदयाल अंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल–विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है। अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा। भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025–26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026–27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी सार्वजनिक नीति और आर्थिक विमर्श में प्रमुखता से व्यक्त किया गया है, 2026 के केंद्रीय बजट पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया में भी यह लक्ष्य दोहराया गया। लेकिन आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा तभी व्यापक अर्थों में सफल होगी, जब आर्थिक शक्ति का सामाजिक आधार भी उतना ही मजबूत हो। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा केवल विश्व को ज्ञान देने से पूरी नहीं होगी, अपने समाज के अंतिम व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन देने से भी उसकी परीक्षा होगी। भारत की प्राचीन चेतना में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'वसुधैव कुटुम्बकम' जैसे विचार रहे हैं। अंत्योदय इसी मानवीय परंपरा का आधुनिक सामाजिक–आर्थिक रूप माना जा सकता है। यह कहता है कि राष्ट्र की समृद्धि का अर्थ केवल कुछ लोगों की समृद्धि नहीं, बल्कि समूचे समाज की उन्नति है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को जीवंत रखने का सबसे सार्थक तरीका केवल उनके चित्र पर माल्यार्पण करना नहीं, बल्कि उनके विचार के मानवीय पक्ष को व्यवहार में उतारना है। उनका जीवन सादगी, संगठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता से जुड़ा रहा। उनका अंत्योदय दर्शन आने वाली पीढ़ियों को यह प्रश्न पूछने की प्रेरणा देता है कि हमारे विकास का अंतिम लाभार्थी कौन है और क्या वह वास्तव में विकास की मुख्यधारा में आ पाया है? 2047 का विकसित भारत केवल सरकार के प्रयासों से नहीं बनेगा। इसके लिए शासन, समाज, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों और नागरिकों–सभी की भागीदारी आवश्यक होगी। गांवों में स्थानीय उद्यमिता बढ़ानी होगी, युवाओं को कौशल देना होगा, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारनी होगी, स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होगा और सरकारी योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और नई तकनीकें इस पहुंच को तेज कर सकती हैं, 2026 में नीति आयोग की डीपीआई–2047 रूपरेखा ने भी डिजिटल अवसंरचना को समावेशी और उत्पादकता–आधारित विकास से जोड़ा है।

अमेरिकी धरती पर खड़े होकर ट्रंप को घेरना आसान नहीं, मगर मैक्रों, पेजेशकियन, अहमद अल–शरा और सिल्वा ने ये कर दिखाया

नीरज

संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक अधिवेशन में इस बार एक अनोखी तस्वीर देखने को मिली। अमेरिकी धरती न्यूयॉर्क पर खड़े होकर कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने जिस तरह अमेरिका की नीतियों को ही आड़े हाथ लिया, उससे वैश्विक राजनीति में बढ़ती बेचैनी साफ दिखाई दी। ईरान ने सीधे अमेरिका को चुनौती दी, फ्रांस ने महाशक्तियों के तकनीकी और सामरिक वर्चस्व पर सवाल उठाए, सीरिया ने गोलान पहाड़ियों पर अमेरिकी नीति को खारिज किया, जबकि ब्राजील और तुर्किये जैसे देशों ने संप्रभुता, विदेशी हस्तक्षेप और मौजूदा वैश्विक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए। संदेश साफ है कि दुनिया की अनेक सरकारें मौजूदा अंतरराष्ट्रीय संकटों के लिए अमेरिकी नीतियों और व्यापक शक्ति आधारित राजनीति को जिम्मेदार ठहराते हुए अब ज्यादा मुखर दिखाई दे रही हैं। इस पूरे घटनाक्रम में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का भाषण बेहद महत्वपूर्ण रहा। 22 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में मैक्रों ने चेतावनी दी कि दुनिया कहीं फिर से "जंगल के कानून" की ओर न लौट जाए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था उस समय कमजोर होती है जब ताकतवर देश नियमों और संस्थाओं से ऊपर खुद को समझने लगते हैं। मैक्रों ने सबसे तीखा सवाल कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य को लेकर उठाया। उनका कहना था कि दुनिया का भविष्य केवल अमेरिका, चीन या कुछ बड़ी निजी कंपनियों के हाथों में नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने तकनीकी संप्रभुता, ओपन सोर्स अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों और रक्षा, साइबर सुरक्षा तथा अंतरिक्ष क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय नियमों की आवश्यकता पर जोर दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। गाजा के मुद्दे पर भी मैक्रों ने पश्चिमी देशों की नीतियों को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने गाजा की मानवीय स्थिति को बेहद गंभीर बताते हुए मौजूदा शांति प्रयासों पर सवाल उठाया। पश्चिमी तट में बस्तियों से जुड़ी हिंसा की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों की संप्रभुता का उल्लंघन इजराइल के भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकता। यूक्रेन युद्ध को लेकर उन्होंने नागरिक और ऊर्जा ढांचे पर हमले रोकने तथा काला सागर से अनाज परिवहन की सुरक्षा के लिए दोहरी अस्थायी युद्धविराम व्यवस्था का प्रस्ताव भी रखा। लेकिन संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका को सबसे सीधी चुनौती ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की ओर से मिली। 23 सितंबर को पेजेशकियन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक दिन पहले दिए गए कड़े बयान का जवाब देते हुए कहा कि ईरान दबाव के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने अमेरिका और इजराइल पर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का आरोप लगाते हुए ईरान को आतंकवाद का दोषी नहीं, बल्कि आतंकवाद का पीड़ित बताया। पेजेशकियन ने ईरान के खिलाफ सैन्य और आर्थिक दबाव को लेकर कहा कि उनका देश "घुटने नहीं टेकेगा।" उन्होंने परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा से इंकार किया, लेकिन शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक, विशेषकर चिकित्सा और कृषि के लिए, इन पर किसी तरह की पाबंदी स्वीकार करने से भी साफ इंकार कर दिया। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी उन्होंने ईरान के नौवहन अधिकारों पर जोर दिया और अमेरिकी नाकेबंदी समाप्त करने की मांग रखी। हालांकि ईरानी राष्ट्रपति ने युद्ध के बीच कूटनीति का दरवाजा पूरी तरह बंद नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बातचीत संभव है, लेकिन इसके लिए अमेरिका को धमकी, बल प्रयोग और प्रतिबंधों की भाषा छोड़नी होगी। इसी बीच ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के बीच कतर की मध्यस्थता से अप्रत्यक्ष बातचीत भी हुई, लेकिन तत्काल कोई बड़ी सफलता सामने नहीं आई। ईरानी पक्ष आर्थिक और समुद्री प्रतिबंध हटाने तथा फ्रीज हुए धन से जुड़े मुद्दों पर अपनी शर्तों पर कायम रहा। इस टकराव का सबसे नाटकीय दृश्य तब देखने को मिला जब पेजेशकियन के भाषण के दौरान अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र महासभा कक्ष से बाहर चला गया। एक ओर मंच पर ईरान अमेरिका को चुनौती दे रहा था, दूसरी ओर पर्दे के पीछे दोनों पक्षों के बीच बातचीत भी चल रही थी। यानी युद्ध और कूटनीति एक साथ आगे बढ़ते दिखाई दिए। वहीं सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल–शरा ने भी अमेरिकी नीति पर खुला प्रहार किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट कहा कि गोलान पहाड़ियां सीरिया की भूमि हैं और किसी भी बाहरी शक्ति को सीरियाई क्षेत्र किसी दूसरे देश को सौंपने का अधिकार नहीं है। उनका यह बयान अमेरिका द्वारा गोलान पहाड़ियों पर इजराइली संप्रभुता को मान्यता देने वाली नीति के सीधे विरोध में था।

साथ ही अल–शरा ने इजराइली सैन्य कार्रवाइयों का उल्लेख करते हुए सैकड़ों हवाई हमलों, बड़ी संख्या में घुसपैठ और गिरफ्तारियों का आरोप लगाया तथा इजराइली सेना की वापसी और 1974 के अलगाव समझौते के पालन की मांग की। साथ ही उन्होंने युद्ध के बाद सीरिया के पुनर्निर्माण की तस्वीर भी पेश की। उन्होंने सरकारी संस्थाओं को स्थिर करने, हथियारों को केंद्रीय सरकार के नियंत्रण में लाने, संक्रमणकालीन न्याय लागू करने और मादक पदार्थों की तस्करी पर कार्रवाई की बात भी कही। उधर, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने भी विदेशी हस्तक्षेप और राष्ट्रीय संप्रभुता के सवाल को प्रमुखता दी। उन्होंने कहा कि ब्राजील किसी बाहरी शक्ति का पिछलग्गू नहीं है और विदेशी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं किया जाएगा। वहीं तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगान ने भी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था और सुरक्षा परिषद की मौजूदा संरचना पर सवाल उठाए तथा गाजा के मुद्दे पर इजराइल को मिल रहे समर्थन की आलोचना की। देखा जाये तो इस पूरे घटनाक्रम को केवल अमेरिका–विरोधी भाषणों की श्रृंखला नहीं माना जा सकता। असली मुद्दा तेजी से बदलती विश्व व्यवस्था का है। संयुक्त राष्ट्र के मंच पर अलग–अलग देशों की आवाजें यह सवाल उठा रही हैं कि क्या सैन्य ताकत, आर्थिक प्रतिबंध, तकनीकी वर्चस्व और कूटनीतिक दबाव के दम पर विश्व व्यवस्था चलाई जा सकती है।

भारत को डराया नहीं जा सकता, यह नया भारत है

प्रह्लाद

हाल ही में अमेरिकी संसद द्वारा भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने सम्बंधी कानून को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, क्योंकि, ये देश रूस से कच्चे तेल का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। चीन सहित कुछ अन्य देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात से रूस को आर्थिक शक्ति प्राप्त होती है। अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है। अमेरिका को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त

अमेरिका के अनुसार, इन देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात के चलते रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध करने की आर्थिक शक्ति प्राप्त हो रही है। जबकि, यूरोपीयन देश एवं अमेरिका स्वयं रूस से गैस एवं अन्य उत्पादों का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अर्थात, इन देशों द्वारा रूस से अन्य पदार्थों के आयात करने से रूस को कोई आर्थिक ताकत प्राप्त नहीं होती है, केवल भारत एवं टैरिफ लगाने का डर दिखा कर एवं भारत को दबाव में लाकर अमेरिका भारत से अपने मनमाफिक निर्णय करवा लेगा, तो आज की बदली हुई परिस्थितियों के बीच यह सम्भव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका एवं पूरे विश्व के सामने अब एक नया भारत खड़ा है। अमेरिका दरअसल चाहता है कि भारत उसके कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार खोले ताकि वह भारत को अपने कृषि एवं डेयरी उत्पाद निर्यात कर सके। यदि भारत अमेरिका के इस दबाव में आता है तो भारतीय किसानों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा और केंद्र सरकार भारत के किसानों के हितों की बलि किसी भी कीमत पर देने को तैयार नहीं है। आज, संभवतरू अमेरिका को भारत की अधिक आवश्यकता है क्योंकि भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है, जिसके कारण भारत पूरे विश्व में सबसे युवा देशों की श्रेणी में उच्च स्थान रखता है। साथ ही, भारत आज विश्व में विभिन्न उत्पादों का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश बन गया है एवं आगे आने वाले समय में भारत की यही स्थिति लम्बे समय तक बनी रहने वाली है। भारत आज विश्व के अन्य उत्पादक देशों के लिए सबसे बड़ा बाजार है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज विश्व में बड़े देशों के बीच सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही में जापान ने भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। और तो और, अब अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेन्सियां भी भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग में सुधार करने पर विचार करने को मजबूर हो रही हैं। हाल ही में मूडीज ने वर्ष 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, जेफरीज ने भी अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत को सुधारकर 7 प्रतिशत कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत कर दिया है, जबकि भारत ने वित्तीय वर्ष 2026–27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है। भारत के अपने विदेशी उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने सम्बंधित प्रयास आज सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि, अगस्त 2026 का माह भारतीय निर्यातकों के लिए बहुत शानदार रहा है। वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की चुनौतियों के चलते भी भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 26.12 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है। अगस्त 2025 माह में भारत के कुल निर्यात 3,474 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे थे जो अगस्त 2026 में बढ़कर 4,381 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हो गए हैं। फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आरगनाईजेशन के अनुसार, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में हो रही आकर्षक वृद्धि दर भारतीय निर्यातकों की ताकत, प्रतिस्पर्धा व बाजार के हिसाब से ढलने की क्षमता को दर्शाती है। चीन, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, तंजानिया, हांगकांग, आस्ट्रेलिया, स्पेन एवं श्रीलंका जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच भारत के निर्यात बास्केट के विस्तार का संकेत है। आटोमोबाईल निर्यात में 22.2 प्रतिशत की मजबूत बृद्धि दर्ज हुई है, इसमें दोपहिया व तिपाहिया वाहनों का दबदबा रहा है। जेम्स एंड ज्वेलरी के निर्यात में भी 3.14 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई है। इलेक्ट्रॉनिक एवं इंजीनीयरिंग उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि भारत की मजबूत स्थिति को दर्शा रही है। विदेशी व्यापार के मामले में भारत विश्व में केवल कुछ देशों (अमेरिका सहित) पर निर्भर रहने के स्थान पर अब अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात के लिए नए नए बाजार तलाश रहा है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों का सुपरिणाम दिखाई भी देने लगा है। वित्तीय वर्ष 2026–27 के प्रथम पांच माह (अप्रेल–अगस्त 2026) के दौरान भारत का ब्रिक्स देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) को निर्यात 34 प्रतिशत बढ़कर 1,990 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। इसी अवधि में चीन को भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। ब्रिक्स समूह के समस्त सदस्य देशों के साथ भारत अपने आर्थिक एवं राजनैतिक सम्बंधों को लगातार मजबूत कर रहा है, जिसका परिणाम अब इन देशों के साथ भारत के लगातार बढ़ रहे विदेशी व्यापार के रूप में दिखाई देने लगा है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ब्रिक्स के चार मुख्य देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) का भारत के कुल निर्यात में हिस्सा अप्रेल–अगस्त 2025 के दौरान 8.1 प्रतिशत से बढ़कर अप्रेल–अगस्त 2026 के दौरान 9.2 प्रतिशत हो गया है। इस वित्तीय वर्ष के प्रथम पांच माह के दौरान चीन को 960 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया गया है तो वहीं दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस को भारतीय उत्पादों के निर्यात में क्रमशः 58 प्रतिशत, 13 प्रतिशत एवं 11 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज की गई है। आज कई अमेरिकी कम्पनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं – एस्ट्रा जेनेका, बैंक ओफ अमेरिका, ट्रूब्रिज, गाइडवायर, आदि। भारत में स्थापित इन वैश्विक योग्यता केंद्रों में हजारों की संख्या में भारतीय इंजीनीयर कार्य कर रहे हैं। कहीं यह अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगातार बदले जा रहे वीजा सम्बंधी नियमों के चलते तो नहीं हो रहा है। अमेरिकी नीतियों से केवल विश्व के अन्य देश ही नहीं बल्कि अमेरिकी कम्पनियां भी परेशानी महसूस करने लगी हैं एवं वे अपनी इकाईयों को भारत सहित अन्य देशों में स्थानांतरित कर रही हैं।

कुलपति ने संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के साथ की बैठक, 30 सितंबर तक मांगे प्रस्ताव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक हुई। इसमें शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने, विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने और विभागों को आधुनिक जरूरतों के अनुरूप विकसित करने पर चर्चा की गई। कुलपति ने कहा कि नए एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए विभाग ठोस प्रस्ताव तैयार करें। पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की रुचि, रोजगार की संभावनाओं और समाज की जरूरतों को ध्यान में रखा जाए। उन्होंने सभी विभागों को अपने प्रस्ताव 30 सितंबर तक विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कक्षा शिक्षण को अधिक रोचक और संवादपरक बनाने पर जोर दिया। कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों की रुचि जगाने वाले उदाहरणों, प्रश्नों और समसामयिक संदर्भों के माध्यम से कक्षा की शुरुआत करें, ताकि विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़े। स्मार्ट क्लासरूम और उपलब्ध तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग पर भी चर्चा हुई। बैठक में विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। साइबर सिक्योरिटी सहित समसामयिक विषयों पर बाहरी विशेषज्ञों के माध्यम से कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना पर विचार किया गया। खेलकूद एवं सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों की प्रतिभा पहचानने के लिए विभागों को सक्रिय भूमिका निभाने को कहा गया। कुलपति ने एनआईआरएफ समेत विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक पहचान और रैंकिंग से जुड़े प्रयासों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पाठ्यक्रमों को समयानुकूल बनाने तथा विद्यार्थियों को नवीन ज्ञान से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने परिसर में कार्यरत सभी कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक और मानवीय व्यवहार करने तथा स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण बनाए रखने में सहयोग की अपील की। बैठक में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. विनोद गुप्ता समेत विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

राष्ट्रसेवा और अंत्योदय के लिए समर्पित रहा पंडित दीनदयाल का जीवन - गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को नगर के एक होटल में संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने उनके जीवन, विचारों और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण को याद करते हुए उनके बताए अंत्योदय के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण विभाग गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान को केंद्र में रखकर अंत्योदय का विचार दिया। उनका एकात्म मानववाद भारतीय संस्कृति और समाज के समग्र विकास की दृष्टि प्रस्तुत करता है। उनके विचार आज भी समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन सादगी, राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के प्रति समर्पण का उदाहरण है। उनके विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास के लिए निरंतर कार्य करने की आवश्यकता है। पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेताओं ने राजनीति में अपने आदर्श स्थापित किए। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीति में विभाजन की प्रवृत्ति बढ़ी है, जबकि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए समर्पित किया। इससे पहले राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने खरका कॉलोनी स्थित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उपस्थित लोगों ने भी प्रतिमा और चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या, हरिश्चंद्र सिंह, विकास शर्मा और धर्मेंद्र मिश्रा ने विचार व्यक्त किए। संचालन सुरेंद्र जायसवाल ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री अजय सिंह, रामसूरत मौर्य, ब्रह्मेश शुक्ला, मनीष श्रीवास्तव, गिरीश कुमार, पप्पू राजपूत, राजकेशर पाल, पूर्व विधायक बांके लाल सोनकर, मंडल अध्यक्ष सारिका सोनी, कमलेश निषाद, प्रशांत सिंह दीपक, सुनील सेठ, धर्मपाल कन्नौजिया, स्वर्णिमा जायसवाल, अंजना सिंह, माधुरी गुप्ता समेत भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ में प्राचार्य पद की लिखित परीक्षा नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज की विज्ञापन संख्या 02ध2026 के तहत अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में प्राचार्य पद के लिए लिखित परीक्षा गुरुवार को लखनऊ के दो परीक्षा केंद्रों पर प्रथम पाली में सुबह 9रू30 से 11रू30 बजे तक आयोजित की गई। आयोग के अनुसार परीक्षा पारदर्शी, नकलविहीन, शुचितापूर्ण और सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई।परीक्षा के दौरान आयोग के अध्यक्ष, सदस्य, सचिव, परीक्षा नियंत्रक और उपसचिव दोनों परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखते रहे। आयोग के अध्यक्ष प्रशान्त कुमार ने बताया कि आयोग में स्थापित निगरानी कक्ष से परीक्षा केंद्रों की सघन निगरानी की गई। केंद्रों पर लगे कैमरों के माध्यम से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर भी लगातार नजर रखी गई। परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए तकनीक का प्रभावी उपयोग किया गया।उन्होंने बताया कि लखनऊ के दोनों निर्धारित केंद्रों पर परीक्षा निर्विघ्न और निर्धारित समय पर संपन्न हुई। इस दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था सामने नहीं आई और पूरी परीक्षा प्रक्रिया सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की गई। परीक्षा के सफल संचालन में सहयोग के लिए उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी निगरानी और प्रशासनिक समन्वय से परीक्षा की शुचिता बनाए रखने में महत्वपूर्ण सहायता मिली।आयोग अध्यक्ष के अनुसार परीक्षा के लिए लखनऊ में कुल 813 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 722 ने परीक्षा में प्रतिभाग किया। इस प्रकार कुल 88.81 प्रतिशत परीक्षार्थी परीक्षा में उपस्थित रहे। महिला परीक्षार्थियों की उपस्थिति 90.36 प्रतिशत और पुरुष परीक्षार्थियों की उपस्थिति 88.36 प्रतिशत रही। आयोग ने कहा कि चयन प्रक्रिया को निर्धारित मानकों के अनुरूप पारदर्शी, निष्पक्ष और शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

हसनगंज पुलिस ने 2012 से फरार वारंटी को सीतापुर से गिरफ्तार किया

लखनऊ, (संवाददाता)। हसनगंज पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के मामले में करीब 35 वर्षीय वारंटी धरमवीर को सीतापुर के तंबौर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ वर्ष 2011 में दर्ज मुकदमे में न्यायालय एडीजे–16 लखनऊ द्वारा वाद संख्या 581ध2012 में गैर जमानती वारंट जारी किया गया था।पुलिस के अनुसार उपनिरीक्षक राजकुमार तिवारी वारंटी की तलाश और गिरफ्तारी के लिए तंबौर, सीतापुर रवाना हुए थे। आरोपी के बताए पते पर दबिश देने पर धरमवीर पुत्र राम स्वरूप निवासी गुड़ियन टोला, थाना तंबौर, जिला सीतापुर घर के बाहर मिला। पुलिस ने उसे न्यायालय के आदेश की जानकारी देकर नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया।धरमवीर के खिलाफ थाना हसनगंज में अपराध संख्या 164ध2011 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 41, 411, 413, 414, 467, 468 और 471 में मुकदमा दर्ज है। पुलिस उसके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी संबंधित थानों, इकाइयों और जनपदों से जुटा रही है।

सेवा योजना दिवस पर विद्यार्थियों ने दिया सामाजिक सरोकारों का संदेश

लखनऊ, (संवाददाता)। राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना की एक इकाई की ओर से ज्यूरिस हॉल, जस्टिस ए.एस. आनंद प्रशासनिक भवन में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशि प्रभा जोशी के मार्गदर्शन में हुआ। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि मोहनलालगंज विधायक अमरेश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. आनंद वल्लभ जोशी, प्रो. डॉ. अशोक कुमार सोनकर, डॉ. सुधीर कुमार वर्मा और डॉ. अंजली सिंह सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे।मुख्य अतिथि अमरेश कुमार ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय सेवा योजना गीत की प्रस्तुति से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने नृत्य प्रस्तुत किया तथा महिला सशक्तीकरण पर नुक्कड़ नाटक और लघु नाटिका के माध्यम से महिला अधिकार, समानता और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों को सामने रखा। भाषण और काव्य–पाठ के जरिए भी सामाजिक सरोकारों और राष्ट्र निर्माण से जुड़े संदेश दिए गए।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। सभी ने नशे से दूर रहने और समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, सामाजिक सेवा, सामुदायिक सहभागिता और जिम्मेदार नागरिकता के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।समारोह के समापन अवसर पर पूर्व संध्या में आयोजित प्रश्नोत्तरी और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। दोनों प्रतियोगिताओं में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया था।

लखनऊ विश्वविद्यालय में पौधरोपण कर विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस स्थित विधि संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस और सेवा संकल्प अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, परिसर को हरा–भरा बनाने और विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा।राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर राय के मार्गदर्शन और विधि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. वर्मा के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्साह के साथ फलदार और छायादार पौधे लगाए। इस दौरान लगाए गए पौधों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प भी लिया गया।कार्यक्रम में डॉ. सुधीर कुमार वर्मा, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. आनंद कुमार सिंह और डॉ. नितिन कुमार मौजूद रहे। वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। विद्यार्थियों ने "स्वच्छ परिसर, हरित परिसर" का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

पीडीए को लेकर अखिलेश यादव पर गिरीश चंद्र यादव का पलटवार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की रायबरेली में शुरू हुई पदयात्रा और पीडीए को लेकर दिए गए बयान पर प्रदेश के खेलकूद एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव पहले यह स्पष्ट करें कि उनके पीडीए में 'पी' का मतलब पिछड़ा है या पंडित। वह पिछड़े वर्ग के हितैषी होने का दावा करते हैं, लेकिन जब पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने की मांग उठ रही थी, तब उनकी पार्टी ने इसके लिए क्या किया। गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव पिछड़ों के हितैषी नहीं हैं, बल्कि पिछड़े वर्ग के नाम पर अपनी राजनीतिक दुकान चलाना चाहते हैं। उनका उद्देश्य नारे के माध्यम से लोगों में भ्रम पैदा कर वोट हासिल करना है। प्रदेश की जनता उनके इस प्रयास को समझती है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री रहते 2014 के लोकसभा चुनाव में सपा को करारी हार का सामना करना पड़ा। 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और सहयोगी दलों को 325 सीटें मिलीं। 2019 में सपा–बसपा गठबंधन के बावजूद भाजपा ने प्रदेश में 64 लोकसभा सीटें जीतीं। आजमगढ़ और रामपुर के उपचुनाव में भी भाजपा ने जीत दर्ज की। राज्यमंत्री ने कहा कि 2022 में शिवपाल यादव के साथ आने के बावजूद सपा सत्ता में नहीं लौट सकी। उन्होंने दावा किया कि नगर निकाय, जिला पंचायत और ब्लॉक प्रमुख के चुनावों में भी भाजपा ने बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को सत्ता विरासत के आधार पर मिली, जबकि भाजपा को जनता के समर्थन से सफलता मिली है। आने वाले समय में भी प्रदेश की जनता भाजपा के साथ रहेगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त के निलंबन और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग – डॉ रागिनी सोनकर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मछलीशहर की सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने की मांग और जयंत चौधरी को मुख्यमंत्री के लिए उपयुक्त बताए जाने पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जगह–जगह भाषण देकर जातियों को साधने की कोशिश जनता समझ रही है। नेताओं को पहले वोट के अधिकार और संवैधानिक संस्थाओं से जुड़े सवालों पर मुखर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची और वोट के अधिकार को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष लगातार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहा है। ऐसे में ओमप्रकाश राजभर समेत अन्य नेताओं को इन मुद्दों पर स्पष्ट रुख रखना चाहिए। सपा विधायक ने कहा कि अखिलेश यादव की रायबरेली से शुरू हुई पीडीए पदयात्रा के साथ जनता का समर्थन दिखाई दे रहा है। आरक्षण बचाने और गंगा–जमुनी तहजीब की रक्षा के लिए पार्टी मजबूती से लड़ रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव का आगाज हो चुका है और पीडीए की लहर जन–जन तक पहुंच चुकी है। लोग अपने हक और अधिकार के लिए खड़े हो रहे हैं। कानून–व्यवस्था पर सरकार को घेरा प्रदेश की कानून–व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि सबसे खराब स्थिति इसी मोर्चे पर है। सरकार केवल पर्दा डालने का काम कर रही है। सुरेरी थाने के प्रकरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि थाना प्रभारी के फरार होने से स्थिति की गंभीरता समझी जा सकती है। कमजोर वर्ग के लोगों के साथ पुलिस के व्यवहार और भ्रष्टाचार पर भी उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने चंदौली में सब्जी विक्रेताओं से कथित दुर्व्यवहार और मछलीशहर में महिला से दुष्कर्म के मामले का उल्लेख करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मुख्य चुनाव आयुक्त पर कार्रवाई की मांग कांग्रेस के चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन के सवाल पर उन्होंने कहा कि वोट का अधिकार प्रत्येक नागरिक का महत्वपूर्ण संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली और एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि मामले की जांच के लिए समिति गठित होनी चाहिए। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के निलंबन और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की।

इंदिरानगर में बारिश ने बिगाड़े हालात, सड़कें बनीं तालाब

लगातार बारिश से सेक्टर–डी और सेक्टर–16 में जलभराव, आवागमन प्रभावित

(दीपक श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ लखनऊ)

लखनऊ। राजधानी में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने शनिवार को जनजीवन की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। इंदिरानगर क्षेत्र भी बारिश और जलभराव से अछूता नहीं रहा।सेक्टर–डी और सेक्टर–16 समेत कई इलाकों में सड़कों पर पानी भरने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।लखनऊ में बारिश का असर इतना व्यापक रहा कि शहर के कई प्रमुख इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गईं। लगातार बारिश के बीच नगर निगम की ओर से जलनिकासी के लिए पंपिंग स्टेशनों और रोड किनारे लगाए गए पंपों को चलाया गया, लेकिन बारिश जारी रहने के कारण कई स्थानों पर जलभराव बना रहा। शनिवार सुबह तक 21 घंटे में 125.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश के चलते शहर के कई हिस्सों में यातायात की रफ्तार भी प्रभावित हुई। कमता चौराहे समेत कई स्थानों पर वाहन पानी के बीच धीमी गति से गुजरते दिखाई दिए। बारिश के कारण शहर में सिर्फ जलभराव ही नहीं, बल्कि पेड़ गिरने और सड़क धंसने की घटनाएं भी सामने आई हैं। निशातगंज में पुराना बरगद गिरा, जबकि अन्य इलाकों में भी बारिश से हालात बिगड़ने की सूचना है।मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी के बीच राजधानी में प्रशासन ने भी लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। ऐसे में इंदिरानगर समेत जल भराव वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के सामने अगले कुछ घंटों में जलनिकासी और आवागमन बड़ी चुनौती बना हुआ है।

करंट से दोनों हाथ गंवाने वाले युवक को केजीएमयू ने दिए कृत्रिम हाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। करंट से दोनों हाथ गंवाने वाले 22 वर्षीय नीरज यादव को केजीएमयू ने निशुल्क कृत्रिम हाथ उपलब्ध कराए हैं। आर्थिक तंगी के कारण वह प्रोस्थेटिक हाथ नहीं लगवा पा रहे थे। निजी संस्थानों में प्रोस्थेटिक हाथ का खर्च लगभग 50 हजार रुपये आता है। सेवा संकल्प अभियान–2026 के तहत पीएमआर विभाग की प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक यूनिट ने पहल की।

केजीएमयू के फिजिकल मेडिसिन एवं रिहैबिलिटेशन (पीएमआर) विभाग ने इनर व्हील क्लब और एक स्वयंसेवी संस्था के सहयोग से 9500 रुपये जुटाए और उनके लिए कृत्रिम हाथ की व्यवस्था की। कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने बताया कि नीरज जुलाई 2026 में विभाग के संपर्क में आए थे। कृत्रिम हाथ लगाने के बाद नीरज को उनके संचालन और रोजमर्रा के कामों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पीएमआर विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को आधुनिक पुनर्वास सेवाएं देकर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास जारी है।

गंभीर फेफड़ों की बीमारी के बीच जांघ की टूटी हड्डी का सफल ऑपरेशन

लखनऊ, (संवाददाता)। पीजीआई के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में गंभीर फेफड़ों और दिल की बीमारी से जूझ रही 45 वर्षीय महिला की टूटी जांघ की हड्डी का सफल ऑपरेशन किया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, सर्जरी के दौरान महिला की जान को करीब 20 प्रतिशत तक खतरा था। कई अस्पतालों ने जोखिम को देखते हुए सर्जरी से इन्कार कर उसे पीजीआई रेफर किया था। ऑर्थोपेडिक्स विभाग के प्रो. पुलक शर्मा ने बताया कि करीब 20 दिन पहले हादसे में महिला की दाहिनी जांघ की हड्डी टूट गई थी। वह सिस्टिक ब्रोंकिएक्टेसिस और गंभीर पल्मोनरी हाइपरटेंशन से पीड़ित थी। ट्रॉमा सेंटर पहुंचने पर उसका ऑक्सीजन सैचुरेशन 82 प्रतिशत था, जबकि सामान्य तौर पर 98 से 100 फीसदी होता है।

कच्ची दीवार गिरने से आठ बकरियों की मौत, चार घायल, घटनाओं में पहले तीन लोगों की हो चुकी है मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में शुक्रवार सुबह बारिश के कारण कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। मलबे में दबकर आठ बकरियों की मौत हो गई, जबकि चार बकरियां घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से मलबा हटवाकर बकरियों को बाहर निकलवाया। घटना कमलापुर थाना क्षेत्र के कुसमौरा गांव की है। बताया गया कि सुबह करीब 9.30 बजे गांव निवासी पप्पू की कच्ची दीवार गिर गई। मलबे में रामप्रसाद पुत्र गोकरन की 12 बकरियां दब गई थीं। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक कमलापुर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से मलबा हटाया गया। इसमें आठ बकरियों के शव मिले। जबकि, चार बकरियां घायल अवस्था में मिलीं। पुलिस ने मृत बकरियों के पोस्टमार्टम तथा घायल बकरियों के उपचार के लिए पशु चिकित्सक को सूचना दी। साथ ही घटना की जानकारी एसडीएम सिधौली को भी दी गई है। पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। लगातार हो रही बारिश क्षेत्र के कच्चे मकानों और जर्जर दीवारों के लिए खतरा बनी हुई है।

थाना क्षेत्र के अलग–अलग गांवों में बारिश के दौरान कच्ची दीवारें ढहने से एक महिला, एक युवक और छह वर्षीय बालिका की मौत हो चुकी है। ज्योतिशाह आलमपुर गांव में मायाराम पुत्र गोकुल के घर की कच्ची दीवार बारिश के दौरान ढह गई थी। मलबे में दबकर उनकी पत्नी ब्रजरानी (52) की मौत हो गई थी। वहीं गौरा गांव में कच्ची दीवार गिरने से नेकराम पुत्र बचनू (32) और छह वर्षीय लक्ष्मी पुत्री अमित की मलबे में दबकर मौत हो गई थी। लगातार बारिश से क्षेत्र के कई गांवों में कच्चे मकान और दीवारें क्षतिग्रस्त हुई हैं। केवलपुर गांव में रामप्रसाद के पुत्र, संजय पुत्र शिवकुमार तिवारी और शंकर पांडेय पुत्र मुन्नूलाल पांडेय के घर की दीवारें भी बारिश में गिर गईं। गौरा गांव में राजेश पुत्र मुन्नीलाल, बचनू समेत कई ग्रामीणों के मकान भी प्रभावित हुए हैं।

कट की मांग पर तीन घंटे जाम रहा सीतापुर हाईवे

लखनऊ, (संवाददाता)। रामपुर बेहड़ा के पास कट की मांग करते हुए ग्रामीणों ने बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे सीतापुर हाईवे जाम कर दिया। करीब तीन घंटे तक चले जाम से लखनऊ से सीतापुर जाने वाली लेन पर तीन किलोमीटर तक सैकड़ों वाहन फंसे रहे। दोपहर दो बजे जाम पूरी तरह खुल सका। ग्रामीणों का कहना है कि दिगोई कट करीब तीन किलोमीटर दूर है, जबकि इटौंजा की ओर भी करीब छह किलोमीटर तक कोई कट नहीं है। उनका आरोप है कि एनएचएआई ने हाईवे किनारे लोहे की रेलिंग लगा दी है, जिससे महिलाओं और बच्चों को सड़क पार करने में परेशानी होती है। जाम खुलवाने पहुंची पुलिस से प्रदर्शनकारियों की नोकझोंक हुई। पुलिस ने भीड़ को हटाते हुए एफआईआर की चेतावनी दी जिसके बाद दोपहर एक बजे ग्रामीण हट गए। हालांकि, पुलिस के जाते ही 1:25 बजे उन्होंने दोबारा हाईवे जाम कर दिया। इस बार जाम में फंसे वाहन चालकों ने भी विरोध जताया।

भारी बारिश के दौरान सावधानी बरते लोग - शशांक त्रिपाठी

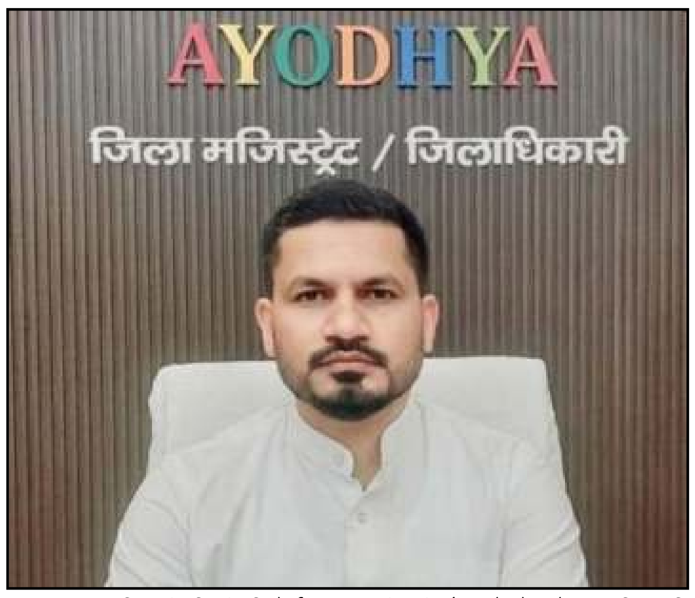

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या ।मौसम विभाग ने अयोध्या में अगले दो दिनों के दौरान भारी बारिश, मेघगर्जन,आकाशीय बिजली और तेज झोंकेदार हवाओं की चेतावनी जारी की है ।इसे देखते हुए जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने जनपदवासियों से विशेष सतर्कता बरतने और अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने की अपील की है ।मौसम विभाग के प्रभाव आधारित पूर्वानुमान में 25–26 और 26–27 सितंबर की अवधि के लिए अयोध्या को चेतावनी वाले जिलों में शामिल किया गया है ।डीएम ने लोगों से कहा है कि मेघगर्जन या आकाशीय बिजली के दौरान खुले स्थानों, खेतों और जलस्रोतों से दूर रहें तथा पेड़ों के नीचे शरण न लें ।तेज हवा के दौरान जर्जर भवनों, कमजोर दीवारों, होर्डिंग्स और पेड़ों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है ।विद्युत खंभों, तारों और ट्रांसफार्मरों से भी दूर रहने को कहा गया है ।किसानों को खराब मौसम के दौरान खेतों में जाने से बचने और पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखने की अपील की गई है ।डीएम ने कहा कि नागरिक घबराएं नहीं, लेकिन मौसम विभाग की चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए सावधानी बरतें और जिला प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक दिशा–निर्देशों का पालन करें।

अलग अलग मामलों आपदा ने एक की ली जान 3 गंभीर रूप से घायल

मसौधा अयोध्या ।तेज तूफान और बारिश के चलते अलग अलग दुर्घटनाओं में एक युवक आकाश वर्मा की मृत्यु हो गई वही 3 गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है पहला मामला शुक्रवार की रात्रि जहां सरियावा से सोहावल संपर्क मार्ग पर इच्छा तिवारी के पुरवा के पास दो बड़े पेड़ गिरने से बिजली के तार टूट कर रास्ते में गिरने के साथ पेड़ के गिरने से घंटों रास्ता बाधित रहा सूचना पाकर थाना प्रभारी पूराकलंदर अश्वनी पांडेय दल बल समेत घटना स्थल पर पहुंच गए वही बिजली विभाग और वन विभाग की टीमें सूचना के बाद भी बड़ी सोच विचार के बाद कई घंटे बाद पहुंची किसी तरह पेड़ काट कर रास्ता चालू कराया गया वही दूसरा मामला शनिवार की दोपहर शिवदासपुर शुक्ल का पुरवा निवासी जमुना प्रसाद शुक्ल एवं उनकी पत्नी उस समय घायल हो गई जब तीन शेड पर डाल गिर गई और वे दंपत्ति गंभीर रूप से घायल हो गई जिन्हें आनन फानन में जिला अस्पताल भिजवाया गया तीसरी बड़ी घटना मसौधा बाजार कार से सब्जी खरीदने आए आकाश वर्मा उम्र लगभग 19 वर्ष निवासी शिवदासपुर गांव के ही पंकज शुक्ला एवं एवं एक अन्य बालक के साथ कार से मसौधा बाजार आए थे पंकज शुक्ला गाड़ी से उतर कर सामान ले रहे थे तब तक एक पुराना पाकड़ का पेड़ कार पर गिर गया और दबकर आकाश वर्मा की मृत्यु हो गई वही दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया ।सूचना पाकर थाना प्रभारी अश्वनी पांडेय दल बल समेत घटना स्थल पर पहुंच गए कई बार फोन करने के बाद भी वन विभाग के किसी कर्मचारी का फोन नहीं उठा अंत में तक हार कर खुद ग्रामीणों की मदद से बचाव करते हुए घायल बालक को जिला अस्पताल भिजवाया जहां बालक का उपचार चल रहा है ।थाना प्रभारी अश्वनी पांडेय ने बताया कि आपदा चल रही है 3 दिन से बिजली भी आपदा के चलते प्रभावित है प्राकृतिक आपदा का हम हर स्तर से सामना कर रहे है जैसे तैसे हर हाल में हर स्थित में पहुंच रहे है लोग अनावश्यक घर से बाहर न निकले एक युवक आकाश वर्मा की मृत्यु हुई है ।मामले में उपजिलाधिकारी सोहावल आदित्य विक्रम अग्रवाल ने बताया क्षेत्र में आपदा से काफी क्षति हुई है जिसपर नजर बनी हुई है एक व्यक्ति आकाश वर्मा की मृत्यु हुई है वही आपदा से क्षति हुई फसलों का आकलन भी किया जाएगा

यूजीसी का काला कानून वापस न हुआ तो छात्र देंगे करारा जबाब-दीन दयाल त्रिपाठी

गोरखपुर, (संवाददाता)। मेधा पार्टी द्वारा शिक्षा व्यवस्था में सुधार, यूजीसी के नये कानून की वापसी सहित 7 सूत्रीय मांगों को लेकर गांधीकला भवन परिसर में बापू प्रतिमा के निकट चल रहा धरना गुरूवार को 32 वें दिन भी जारी रहा। सबेरे से जारी बरसात के बावजूद लोग धरना स्थल पर जुटे और केन्द्र सरकार से मांग किया कि यूजीसी का काला कानून सरकार वापस ले वरना आगामी चुनावों में युवा, छात्र भाजपा को आईना दिखाने का काम करेंगे ।मेधा पार्टी के केन्द्रीय प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती मेधा का धरना अनवरत जारी रहेगा। कहा कि इस मसले पर केन्द्र सरकार की चुप्पी छात्र विरोधी मानसिकता को उजागर कर रहा है। भाजपा अंग्रेजों की तरह समाज में फूट डालो राज करो की नीति पर चल रही है, देश का छात्र अब इसे समझ चुका है। भाजपा सरकार पर यूजीसी को लेकर चुप्पी आने वाले चुनावों में भारी पड़ेगी ।मेधा पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीनदयाल तिवारी ने कहा कि शिक्षा में समानता और सामाजिक न्याय के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पार्टी लगातार संघर्ष करती रहेगी। गरीब बच्चों को बेहतर शिक्षा और उनके अधिकार दिलाने के लिये संघर्ष जारी रहेगा। मेधा नेता पं. सुनील भट्ट कहा कि यूजीसी में नया कानून लाकर केन्द्र सरकार छात्रों को जाति धर्म में विभाजित करने का षड़यंत्र कर रही है। यह कानून वापस न हुआ तो देश को गंभीर परिणाम भोगने होंगे ।धरने के 32 वें दिन मुख्य रूप से बापू प्रतिमा के निकट धरना देने वालों में मुख्य रूप से प्रतीक मिश्र, सोनू चौधरी, सन्तोष शुक्ल, विशाल सिंह, दीपक शुक्ला, , वृजेश द्विवेदी, अजय कुमार चौधरी, राहुल त्रिपाठी, दीपक शुक्ल, रामरीका पाण्डेय, अंशू चौरसिया, विपुल सिंह के साथ ही मेधा के अनेक पदाधिकारी, सदस्य और विभिन्न संगठनों के लोग शामिल रहे।

योगासन में खिलाड़ियों ने दिखाया दम, विजेता हुए पुरस्कृत

गोरखपुर, (संवाददाता)। राजकीय इंटर कॉलेज बस्ती के सभागार में गुरुवार को जनपद स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. विजय प्रकाश ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे प्रतिभागियों ने अलग–अलग वर्गों में योगासन का शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सीनियर बालक वर्ग ट्रेडिशनल योगासन में झिनकू लाल त्रिवेणी राम चौधरी इंटर कॉलेज कलवारी के अमित यादव ने प्रथम तथा रोहित कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर–17 बालक वर्ग में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय इंटर कॉलेज बभनान के आयुष ने प्रथम और राजकीय हाईस्कूल खखुवा के दिव्यांशु ने द्वितीय स्थान हासिल किया। अंडर–17 बालिका वर्ग में राजकीय हाईस्कूल खखुवा की पूजा प्रथम और राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बस्ती की शशि द्वितीय रहीं।

एक्सप्रेस–वे पर पलटी सुल्तानपुर जिला पंचायत अध्यक्ष की फॉर्च्यूनर,सिपाही दंपति ने राइफल से शीशा तोड़कर बचाई 5 लोगों की जान'

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर/कन्नौज। सुल्तानपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष उषा सिंह की फॉर्च्यूनर आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर हादसे का शिकार हो गई। तेज बारिश और तेज रफ्तार के कारण कार डिवाइडर से टकराकर 20 मीटर फेंसिंग तोड़ते हुए दूसरी लेन में पलट गई। हादसे में कार सवार पांचों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन मौके से गुजर रहे एक सिपाही दंपति ने देवदूत बनकर सभी की जान बचा ली। जिला पंचायत अध्यक्ष उषा सिंह फॉर्च्यूनर कार से लखनऊ से नोएडा जा रही थीं। कार धनपतगंज निवासी विकास यादव चला रहे थे। कार में उषा सिंह के अलावा लखीमपुर के आयुष वर्मा, गनर हेड कांस्टेबल अरविंद कुमार और नोएडा की गीतांजलि सिंह भी सवार थीं। कार जैसे ही आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर किलोमीटर 171 के पास पहुंची,तेज बारिश के कारण ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा। कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। दरवाजे लॉक हो जाने से पांचों लोग अंदर ही फंस गए। इसी दौरान आशा ज्योति केंद्र कन्नौज में तैनात महिला कांस्टेबल अर्चना सिंह अपने सिपाही पति अमित तेवतिया के साथ सौरिख से कन्नौज जा रही थीं। उन्होंने पलटी हुई फॉर्च्यूनर देखी तो तुरंत गाड़ी रोककर मौके पर पहुंचे। कार के दरवाजे नहीं खुल रहे थे। सिपाही अमित तेवतिया ने तुरंत अपनी सर्विस राइफल से कार के शीशे तोड़े और फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने का रास्ता बनाया। दोनों ने मिलकर सभी पांचों को सुरक्षित बाहर निकाला।

इसके बाद दोनों ने कंट्रोल रूम को हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस 172, थाना पुलिस और यूपीडा की टीम मौके पर पहुंच गई। यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी मनोहर सिंह और सेफ्टी वाहन की टीम ने बचाव कार्य में मदद की। घायल उषा सिंह, आयुष वर्मा और अरविंद कुमार को एंबुलेंस से इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज तिर्वा भेजा गया। बाकी घायलों को मौके पर प्राथमिक उपचार दिया गया। थाना प्रभारी रंजना पांडेय ने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है।

मेरे सपनों का भारत थीम पर बच्चों ने उकेरी विकसित भारत की तस्वीर

गोरखपुर, (संवाददाता)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरुवार को 'मेरे सपनों का भारत' थीम पर ब्लॉक स्तरीय चित्रकारी एवं प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन हरैया ब्लॉक सभागार में किया गया। प्रतियोगिता में ब्लॉक के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए चित्रों और प्रदर्शनी के माध्यम से अपने सपनों के भारत की कल्पना को रंगों में उकेरा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि हरैया योगेंद्र सिंह, मेरे सपनों का भारत थीम के प्रभारी राजेश त्रिपाठी और भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवचरन जायसवाल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी विजय आनंद ने की। प्रतियोगिता में बच्चों ने भारत की प्रगति, शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, तकनीकी विकास, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों को अपनी चित्रकारी और प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागी बच्चों की चित्रकारी, प्रदर्शनी की विषयवस्तु, रचनात्मकता और प्रस्तुतिकरण का अवलोकन किया। इसके बाद उच्च प्राथमिक विद्यालय बरहपुर की छात्रा शादिया ने प्रथम, कंपोजिट विद्यालय पूरे अवधी की छात्रा मडोना सिंह ने द्वितीय तथा कंपोजिट विद्यालय उभाई की छात्रा आयुषी वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता बच्चों को मेडल और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। वहीं प्रतियोगिता में शामिल अन्य सभी बच्चों को स्टेशनरी प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य अतिथि योगेंद्र सिंह ने कहा कि बच्चों की कल्पनाशीलता में ही देश के भविष्य की तस्वीर दिखाई देती है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ–साथ राष्ट्र और समाज के प्रति अपनी सोच को अभिव्यक्त करने का अवसर मिलता है ।राजेश त्रिपाठी ने कहा कि 'मेरे सपनों का भारत' जैसी थीम बच्चों को अपने भविष्य के भारत के बारे में सोचने और उसे रचनात्मक माध्यम से व्यक्त करने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने प्रतिभागी बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय स्तर से ही बच्चों की रचनात्मक क्षमता को प्रोत्साहित करना जरूरी है ।प्रदर्शनी एवं चित्रकारी का अवलोकन अतिथियों, खण्ड शिक्षा अधिकारी और शिक्षकों ने किया। अवलोकन के उपरान्त एआरपी संतोष कुमार शुक्ल, मनोज मिश्र, राजीव शुक्ल और रवीश कुमार मिश्र ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान का निर्धारण किया। कार्यक्रम का संचालन विवेक कान्त पाण्डेय ने किया। पवन वर्मा, वीरेंद्र, मनोज वर्मा, लालमणि वर्मा, प्रदीप शुक्ल, सुनील कुमार, रिजवान, विवेकानंद शुक्ल, राजेश, राकेश, जमुना सहित विद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सीनियर बेसिक शिक्षक संघ की बैठक में उठा पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा

गोरखपुर, (संवाददाता)। सीनियर बेसिक शिक्षक संघ के जिला इकाई की एक बैठक जिलाध्यक्ष शिव शंकर पाण्डेय की अध्यक्षता में प्रेस क्लब के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में पुरानी पेंशन, प्रोन्नत वेतन मान, ग्रेच्युटी आदि से सम्बन्धित शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्णय लिया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष श्रवण कुमार सिंह ने कहा कि पुरानी पेंशन हमारा हक है और बुढ़ापे का सहारा है और इसे हम हर हाल में लेकर रहेंगे, इसके लिए हमारा संघ अन्य संघो से कदम ताल करते हुए राष्ट्र व्यापी आन्दोलन को तैयार है। विशिष्ट अतिथि, प्रदेश संयुक्त मंत्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने पुरानी पैंशन और प्रोन्नत वेतन मान जैसे मुद्दों पर आर–पार की लड़ाई का आह्वान किया ।संघ जिलाध्यक्ष शिव शंकर पाण्डेय ने कहा कि लम्बित सभी मुद्दों को लेकर संघ का संघर्ष जारी है। उन्होंने प्रोन्नत वेतनमान, पुरानी पेंशन, जी०आई०एस० तथा ग्रेच्युटी इत्यादि मुद्दों पर जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक संघर्ष का आह्वान किया। जिला महामंत्री भूपेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने अधिकारों के लिए सजग रहने का आह्वान किया। बैठक को राजेश उपाध्याय, लोकेन्द्र सिंह, सत्य राम उपाध्याय, विजेंद्र त्रिपाठी, अलोक यादव, महेंद्र शुक्ला, लवकुश शुक्ला, आलोक यादव, इत्यादि ने सम्बोधित करते हुए शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से सम्बन्धित समस्याओं को रखा। संचालन डा० विजय सिंह ने किया।

24 घंटे में 60 मिमी बारिश, सर्दी की शुरुआत का एहसासय 41 किमी की रफ्तार से बही हवा

वाराणसी, (संवाददाता)। वाराणसी में पिछले 24 घंटे में 60 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई। ऐसे में काशी का मौसम खुशनुमा हो गया है। नवंबर की शुरुआत जैसी ठंड महसूस होने लगी है। तापमान 20 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच में आ गया है। वहीं पुरवा हवा 41 किलोमीटर की गति से बह रही है। फिलहाल यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से अगले दो से तीन दिनों तक काशी में ऐसे ही बिजली चमकने और तेज हवा के साथ बारिश होने की चेतावनी जारी की गई है। शुक्रवार को सुबह से ही मौसम तेज हवा की चपेट में है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो हिमालय पर बर्फबारी और बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवात के चलते काशी समेत पूर्वांचल का मौसम बदला है। ओडिशा के अर्नब चक्रवात का असर भी है। वहीं बृहस्पतिवार को जिले में जोरदार बारिश हुई।

कैंट थाना क्षेत्र के मीरनघाट रेंज में फिर दिखा तेंदुआ

अयोध्या ।थाना कैंट के सैन्य क्षेत्र के मीरनघाट रेंज में एक बार फिर तेंदुआ दिखाई देने का दावा सामने आया है। इटीआर रेंज के पास एक दीवार पर तेंदुआ बैठे होने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है ।स्थानीय लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया है ।स्थानीय लोगों के मुताबिक, गणेश प्रतिमा विसर्जन कार्यक्रम से लौट रहे कुछ लोगों ने दीवार पर तेंदुए को बैठे देखा ।इसके बाद क्षेत्र में एक बार फिर दहशत का माहौल बन गया ।वन विभाग की टीम पहले से ही दो टीमों का गठन कर क्षेत्र में निगरानी कर रही है और तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरे, सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

तेज हवाओं में भरभराकर गिरा विशालकाय पेड़, दो गोवंश दबे

अयोध्या ।अर्नब तूफान के असर के बीच रामनगरी में तेज हवाओं व बारिश का कहर देखने को मिला ।शनिवार को कैंट थाना क्षेत्र के सहादतगंज स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर के समीप तेज हवाओं के चलते एक विशालकाय पेड़ अचानक भरभराकर गिर पड़ा ।पेड़ के नीचे दो गोवंश दब गए ।घटना की सूचना मंदिर के पुजारी ने पशुपालन विभाग को जानकारी दी ।सूचना पर सीवीओ डॉ. इंद्रदेव डिप्टी सीवीओ डॉ अरुनेन्द्र सचान तत्काल टीम के

साथ मौके पर पहुंचे ।वन विभाग को भी सूचना दी गई ।इसके बाद पशुपालन विभाग तथा वन विभाग टीम ने पेड़ की भारी डालियों को हटाकर गोवंशों तक पहुंचने के लिए अभियान शुरू किया ।काफी मशक्कत और लगातार प्रयास के बाद टीम ने पेड़ के नीचे फंसे दोनों गोवंशों को एक–एक कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया ।रेस्क्यू के दौरान टीम की तत्परता से दोनों गोवंशों की जान बच गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

राम-जानकी मंदिर से अष्टधातु की प्राचीन मूर्तियां चोरी

अयोध्या ।कोतवाली नगर क्षेत्र के टकसाल चौक स्थित प्राचीन श्री राम–जानकी मंदिर में चोरों ने ताला तोड़कर अष्टधातु की श्रीराम, जानकी व लक्ष्मण जी की प्राचीन मूर्तियां पार कर दीं। पूजा सामग्री, लोटा और घंटा भी चोरी हुआ है ।25 सितंबर की शाम आरती के लिए पहुंचे पुजारी को मंदिर का ताला टूटा मिला ।रामयश कीर्तन सभा के अध्यक्ष सुनील कुमार त्रिवेदी ने चौकी चौक पुलिस को तहरीर देकर दिल्ली दरवाजा निवासी लवकुश गुप्ता पर चोरी की आशंका जताई है ।पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ संदिग्ध की तलाश में दबिश दे रही है। मूर्तियों की बरामदगी को लेकर पुलिस जांच जारी है।

मसौधा बाजार में बरगद का पेड़ गिरने से एक किशोर घायल,एक की मौत

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। थाना पूराकलंदर क्षेत्र के मसौधा बाजार में तेज आंधी–तूफान के दौरान बरगद का पेड़ कार के ऊपर गिर गया ।हादसे में कार के पास मौजूद दो किशोर घायल हो गए ।दोनों घायल किशोर थाना क्षेत्र के ही शिवदासपुर शुक्ल का पुरवा गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों ने घायल युवक आकाश वर्मा को मृतक घोषित कर दिया ।बताया गया कि घायल किशोरों के बड़े भाई पंकज शुक्ला कार से सामान खरीदने मसौधा बाजार पहुंचे थे ।पंकज कार से बाहर निकलकर सामान ले रहे थे, इसी दौरान तेज आंधी के बीच बरगद का पेड़ कार के ऊपर जा गिरा ।पंकज बाल–बाल बच गए, जबकि कार के पास मौजूद दोनों किशोर इसकी चपेट में आकर घायल हो गए।

नीलम करवरिया कप क्रिकेट प्रतियोगिता

प्रयागराज, (संवाददाता)। नीलम करवरिया कप क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे संस्करण के लिए फाफामऊ व सोरांव विधानसभा क्षेत्र की टीमों में चयनित खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी गई है। आयोजन सचिव सक्षम करवरिया ने के अनुसार 10 से 17 अक्टूबर तक आयोजित प्रतियोगिता के लिए पिछले दिनों संपन प्रशिक्षण शिविर में फिटनेस एवं स्किल के आधार पर दोनों टीमों में खिलाड़ियों का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि फाफामऊ विधानसभा की टीम अपना पहला मैच 11 अक्टूबर को बारा विधानसभा से खेलेगी। फाफामऊ की टीम में सचिन मिश्र, शिवम सिंह यादव, गौरव पाठक सौरभ सोनी हर्षित त्रिपाठी, सिद्धार्थ मिश्र, अजय साहू (बल्लेबाज), सौरभ प्रताप सिंह (विकेटकीपर), आदित्य मौर्या, सजल पाण्डेय, मो. उस्मान, विशाल पटेल, आकाश गिरी, अभय प्रताप सिंह, राज पाण्डेय (स्पिनध्तेज गेंदबाज) को चुना गया हैं। राम चन्द्र प्रजापति टीम के कोच और संजय द्विवेदी मैनेजर होंगे। उधर, सोरांव विधानसभा की टीम का पहला मुकाबला शहर पश्चिमी विधानसभा की टीम से 10 अक्टूबर को होगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।